

5 | मैं चलूँगा सारपंच
पंच-प्राचीनी को ज्ञान दी दिक्षिणी को
दिलाउँ जाएँगी : पंचाल मरी

6 | अधिगत
प्रेट न भड़कोने उठीजी
तो रोमांसारी

9 | देश/विदेश
आजाती के बाब इरां मुलायीं में
सामौलन रवा द्वितीया पहुँचा गया

11 | आद्यात्म
जगती जगतीं का शाप दिलोला
जैर असीकल तो सहयो?

PNI NO. HARYAN 2016/75109
प्र. 1 मे. 2022
पत्रिकासंग्रह, सरियार, 26 नवंबर, 2022
पृ. 11, पृ. 12
पत्रिका



पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर चाहिए, YouTube मुख्यकालीन कारो Pioneer Haryana



{ न्यूजीलैंड के खिलाफ
भारत की लगातार
पांचवीं हार
पृज - 12 }

पांचवें दिन फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के आईक्यूएसी सेल द्वारा समग्र कल्याण प्रबंधन विषय पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर का सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एफडीपी का आज पांचवां दिन है। एफडीपी का आयोजन अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल एवं प्रेरक नेतृत्व में किया जा रहा है।

25 नवंबर 2022 को कार्यक्रम के पांचवें दिन मुख्य वक्ता डॉ. विजेता आर्य, सीएमओ, काया कल्प योग प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा रहीं जिन्होंने आध्यात्मिक कल्याण पर बात की। उन्होंने प्रतिभागियों को आध्यात्मिक कल्याण के माध्यम से समग्र कल्याण के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने जीवन में मूल्यों, सिद्धांतों



और नैतिकताओं के महत्व के बारे में समझाया जो कुछ अर्थ और उद्देश्य प्रदान करते हैं और हमारे कार्यों को निर्देशित करने में हमारी मदद करते हैं। हमारे जीवन में आध्यात्मिक तत्व होने से हमें सभी शारीरिक और मानसिक कष्टों से लड़ने में मदद मिलती है। हमारे जीवन के उद्देश्य और मूल्यों से अधिक जुड़े होने के कारण हम एक व्यक्ति के रूप में हैं। यह ग्राउंडिंग हमारे और हमारे आसपास के अन्य लोगों के साथ बेहतर संबंध में प्रकट हो सकता है। स्वयं के साथ एक गहरा संबंध प्राप्त करने से आत्म-जागरूकता बढ़ती है, जो हमारे सोचने और व्यवहार करने के तरीके का समर्थन करती है।